उक्त पांचों इकाईयां तीन खण्डों में विभक्त होंगी जिनमें इस प्रकार अंकों का विभाजन रहेगा–

खण्ड 'अ'

इसमें दस वस्तुनिष्ठ लघुत्तरात्मक प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से दो प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा। ये दस प्रश्न विकल्प रहित होंगे। प्रत्येक प्रश्न का लघुत्तर लगभग 20 शब्दों में होगा।

(अंक 10)

खण्ड 'ब'

इस भाग में पाठ्यक्रम की प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जायेंगे। कुल दस प्रश्न होंगे जिनके विकल्प भी इसी इकाई से होंगे। प्रत्येक प्रश्न दस अंकों का होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में दिया जा सकता है। (अंक 50)

खण्ड 'स'

इस भाग में चार विवेचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न बीस अंक का होगा। इन प्रश्नों में एक प्रश्न के दो भाग भी हो सकते हैं। (अंक 40)

टिप्पणी : प्रत्येक इकाई पर आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जा सकते हैं।

अष्ठम प्रश्न पत्र : निबन्ध अथवा लघु शोध प्रबन्ध

(अ) निबन्ध

इस प्रश्न पत्र में राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति से विषयों में से किसी एक विषय पर राजस्थानी भाषा में विस्तृत निबन्ध लिखना होगा। निबन्ध लेखन 100 अंकों का होगा।

अथवा

(आ) इसके अन्तर्गत किसी महत्त्वपूर्ण विषय पर राजस्थानी भाषा में विभागाध्यक्ष की अनुमति से लगभग 100 पृष्ठों का लघु शोध प्रबन्ध लिखना होगा। जिसकी तीन टंकित प्रतियां सत्रांत में विभागीय कार्यालय में प्रस्तुत करनी होगी। यह लघु शोध प्रबन्ध 100 अंकों का होगा। इसे नियमित विद्यार्थी ही ले सकेंगे जिन्होंने एम.ए. पूर्वार्द्ध में 55 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हों। लघु शोध प्रबन्ध का मूल्यांकन निर्देशक द्वारा उपयुक्तता प्रमाण–पत्र देने के उपरान्त बाह्य परीक्षक द्वारा होगा।